

I n h a l t.

| | | |
|---|---|-------|
| I. v. Schiller (Friedrich). | | |
| 1. An die Freude | . | S. 5 |
| 2. Die Theilung der Erde | . | : 12 |
| 3. Die Worte des Glaubens | . | : 15 |
| 4. Die Worte des Wahns | . | : 17 |
| 5. Die Bürgerschaft | . | : 20 |
| Grundzüge einer guten Deklamation | . | : 28 |
| 6. Der Taucher | . | : 49 |
| 7. Wallensteins Monolog | . | : 174 |
| 8. Tells Monolog | . | : 179 |
| Dramatische Bruchstücke | . | : 183 |
| 9. Wallensteins Traum | . | : 191 |
| 10. Wallenstein | . | : 193 |
| 11. Der Schwedische Hauptmann | . | : 195 |
| 12. Die Gründung der Niederländ. Freiheit | . | : 304 |
| 13. Gerechtigkeit | . | : 362 |
| 14. Wissenschaft | . | : 363 |
| II. Schlegel (Aug. Wilh.) | | |
| 1. Arion | . | : 58 |
| 2. Johannes in der Wüste | . | : 350 |
| III. Conz (Karl Philipp.) | | |
| 1. Die Musen | . | : 67 |
| 2. Blume auf das Grab Ulrichs v. Hutten | . | : 75 |
| IV. Cramer (Joh. Andreas.) | | |
| Melanchthon | . | : 81 |